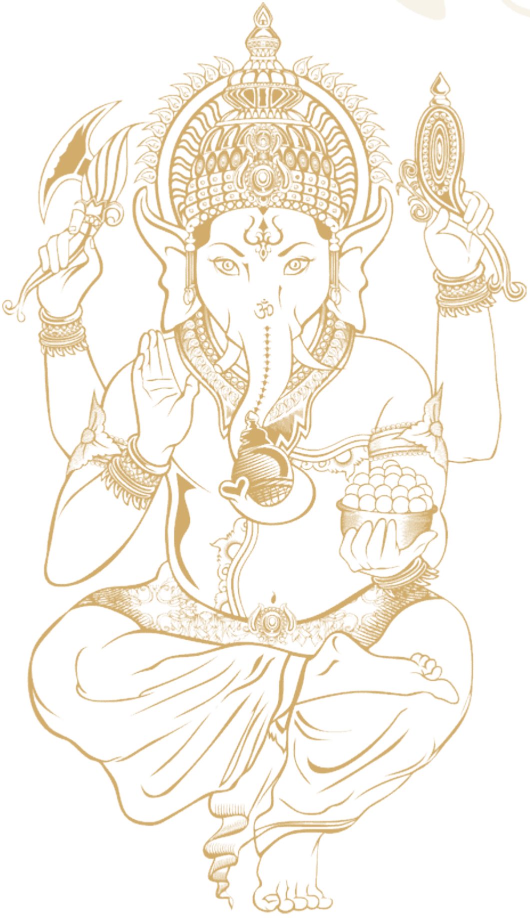

Boy

30 Jan 2026

02:40 PM

Varanasi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121185705

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/01/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:40:00 घंटे**
इष्ट	19:54:18 घटी
स्थान	**Varanasi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:20:00 उत्तर
रेखांश	83:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:42:00 घंटे
वेलान्तर	-00:13:15 घंटे
साम्पातिक काल	23:20:29 घंटे
सूर्योदय	06:42:16 घंटे
सूर्यास्त	17:40:34 घंटे
दिनमान	10:58:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:15:33 मकर
लग्न के अंश	07:34:28 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वैधृति
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घनश्याम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:34:28	328:42:07	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			मक	16:15:33	01:00:55	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	12:14:35	14:34:29	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	11:14:19	00:46:55	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	उच्च राशि
बुध		अ	मक	22:23:58	01:45:26	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:19:13	00:06:53	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	21:55:26	01:15:18	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	04:15:34	00:05:48	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:00:27	00:04:18	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:00:27	00:04:18	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:46	00:00:15	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:52:20	00:01:37	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:25:19	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	25:01:51	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:24

लग्न-चलित

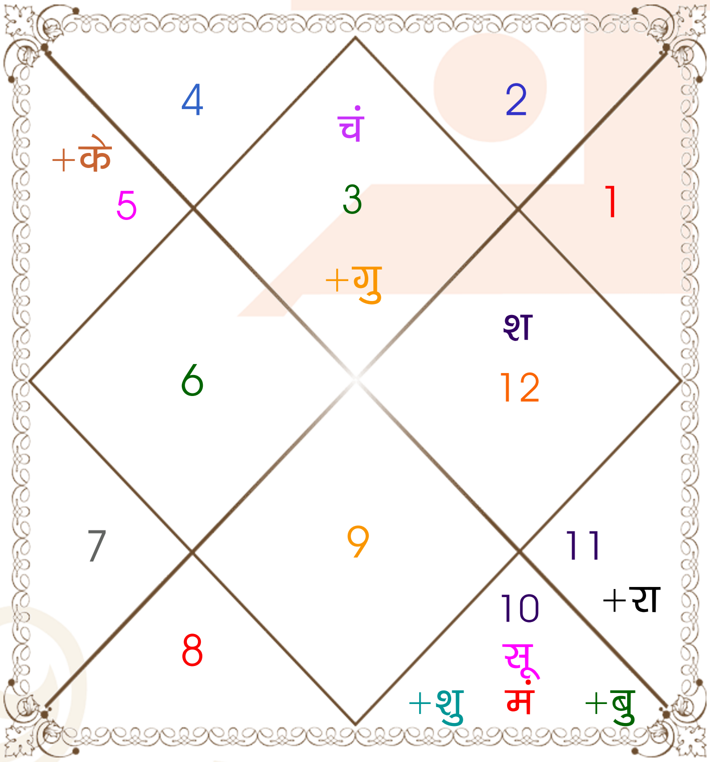

चन्द्र कुंडली

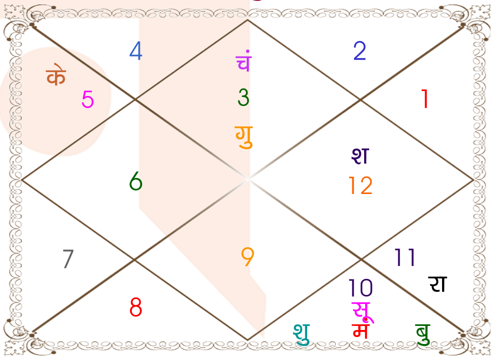

नवमांश कुंडली

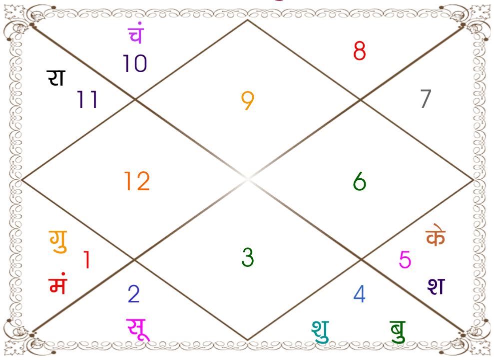

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 10 वर्ष 5 मास 20 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
30/01/2026		21/07/2036		21/07/2052		22/07/2071		21/07/2088	
21/07/2036		21/07/2052		22/07/2071		21/07/2088		22/07/2095	
	00/00/0000	गुरु	08/09/2038	शनि	25/07/2055	बुध	17/12/2073	केतु	17/12/2088
	30/01/2026	शनि	22/03/2041	बुध	03/04/2058	केतु	15/12/2074	शुक्र	16/02/2090
शनि	03/07/2026	बुध	27/06/2043	केतु	13/05/2059	शुक्र	15/10/2077	सूर्य	24/06/2090
बुध	20/01/2029	केतु	02/06/2044	शुक्र	12/07/2062	सूर्य	21/08/2078	चंद्र	23/01/2091
केतु	07/02/2030	शुक्र	01/02/2047	सूर्य	24/06/2063	चंद्र	20/01/2080	मंगल	21/06/2091
शुक्र	07/02/2033	सूर्य	21/11/2047	चंद्र	23/01/2065	मंगल	17/01/2081	राहु	09/07/2092
सूर्य	02/01/2034	चंद्र	22/03/2049	मंगल	04/03/2066	राहु	06/08/2083	गुरु	15/06/2093
चंद्र	04/07/2035	मंगल	25/02/2050	राहु	07/01/2069	गुरु	11/11/2085	शनि	25/07/2094
मंगल	21/07/2036	राहु	21/07/2052	गुरु	22/07/2071	शनि	21/07/2088	बुध	22/07/2095

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
22/07/2095		23/07/2115		22/07/2121		23/07/2131		23/07/2138	
23/07/2115		22/07/2121		23/07/2131		23/07/2138		00/00/0000	
शुक्र	20/11/2098	सूर्य	09/11/2115	चंद्र	23/05/2122	मंगल	19/12/2131	राहु	04/04/2141
सूर्य	21/11/2099	चंद्र	10/05/2116	मंगल	22/12/2122	राहु	05/01/2133	गुरु	28/08/2143
चंद्र	22/07/2101	मंगल	15/09/2116	राहु	22/06/2124	गुरु	12/12/2133	शनि	31/01/2146
मंगल	21/09/2102	राहु	10/08/2117	गुरु	22/10/2125	शनि	21/01/2135		00/00/0000
राहु	21/09/2105	गुरु	29/05/2118	शनि	23/05/2127	बुध	18/01/2136		00/00/0000
गुरु	22/05/2108	शनि	11/05/2119	बुध	21/10/2128	केतु	16/06/2136		00/00/0000
शनि	23/07/2111	बुध	16/03/2120	केतु	22/05/2129	शुक्र	16/08/2137		00/00/0000
बुध	23/05/2114	केतु	22/07/2120	शुक्र	21/01/2131	सूर्य	21/12/2137		00/00/0000
केतु	23/07/2115	शुक्र	22/07/2121	सूर्य	23/07/2131	चंद्र	23/07/2138		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 10 वर्ष 5 मा 22 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।